Lecture Series No.-40

Online class.
Date-3/2/2022.
Day-Wednesday.
Time-10:50 to 11:40 AM

Topic,

(1) Varnadharma

Dr. Sunita Kumari
Depart. of philosophy,
B.A Part II
Paper-(5)
A.N.D. College Shahpur
Patory Samastipur.

Ans:→ वर्ण धर्म:→ वर्ण द्वारा निश्चित किये गये नियमों को वर्ण धर्म कहते हैं। इन नियमों का पालन करना चाहिए। वर्ण धर्म के पालन में निष्ठा का होना आवश्यक है। अहिंसा, सत्य, चोरी न करना तथा इन्द्रियों को वश में रखना ये धर्म चारों ही वर्णों के लिए मनु ने बताया है। इन सामान्य वर्णों के अतिरिक्त कुछ विशेष वर्ण भी है।

हर वर्ण के लिए पृथक-पृथक कर्तव्यों का निर्धारण किया गया है। कौटिल्य ने अपने धर्मशास्त्र में चार वर्णों के लिए पृथक-पृथक कर्तव्यों का

P.T.O.

निर्धारण किया गया है। कौटिल्य ने अपने धर्मशास्त्र में चार वर्णों को इस प्रकार प्रस्तुत किया है :→

(i) ब्राह्मण : अध्ययन, पढ़ाना, यज्ञ तथा बलि आदि करना, दूसरे द्वारा आयोजित यज्ञ को पूरा करना, दान लेना।

(ii) क्षत्रिय :→ अध्ययन, यज्ञ, बलि आदि करना, दान उपहार और भेंट देना, सैनिक कर्म, दूसरे के जीवन तथा सम्पत्ति की रक्षा

(iii) वैश्य : अध्ययन, यज्ञ,

(iv) शूद्र : द्विजों की सेवा करना (अन्य तीन वर्णों की सेवा करना, उक्त सभी वर्णों के लोग यदि अपने (etc)

END